

## सामाजिक सहभागिता पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव : एक समीक्षा Impact of Technology on Social Interactions: A Review

डॉ. अंजू खंडेलवाल<sup>1</sup>, प्रो. अवनीश कुमार<sup>2</sup>

<sup>1</sup> गणित विभाग, एस. आर. एम. एस. अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बरेली

<sup>2</sup> वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग नई दिल्ली

<sup>1</sup> ई-मेल : : dranju07khandelwal@gmail.com

<sup>2</sup> ई-मेल : dravanishkumar@yahoo.com

### सारांश:

मनुष्य संबंधों में बंधे होते हैं। परिवार, दोस्तों और भागीदारों के साथ हमारे जीवन को साझा करने के लिए हमारे पास एक सहज इच्छा है। यह सामाजिक बातचीत महत्वपूर्ण तथा अकसर जटिल होती है। एक व्यक्ति कई तरीकों से जानकारी भेजता है और प्राप्त करता है जब वे किसी के साथ संवाद कर रहे होते हैं। आमने-सामने बातचीत, सामाजिक बातचीत का सबसे वास्तविक रूप है। प्रौद्योगिकी ने लोगों को भौतिक रूप से एक ही स्थान पर सामाजिक रूप से बातचीत करने में सक्षम बनाया है। प्रौद्योगिकी और मानव जीवन को अलग नहीं किया जा सकता है। समाज पर प्रौद्योगिकी की चक्रीय सह-निर्भरता है। हम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं और हमारा दैनिक जीवन प्रौद्योगिकी पर निर्भर करता है। जैसे-जैसे निर्भरता बढ़ती है, वैसे-वैसे प्रौद्योगिकी के लिए हमारी जरूरतें और मांग बढ़ती जाती है। यह पता लगाना शोध का विषय है कि प्रत्येक नई उन्नत तकनीक ने हमारे जीवन को कैसे प्रभावित किया है और यह भविष्य को कैसे प्रभावित करेगी। प्रौद्योगिकी पूरी तरह से पर्यावरण, लोगों और समाज को प्रभावित करती है। जिस तरह से हम तकनीक का उपयोग करते हैं, यह निर्धारित करता है कि इसका प्रभाव समाज पर नकारात्मक के साथ सकारात्मक है या नहीं। इस प्रपत्र में हमने अपने समाज पर, प्रौद्योगिकी के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों का अध्ययन किया है।

### ABSTRACT

*Humans are made to be in relationships. We have an innate longing to share our lives with family, friends, and partners. This social interaction is important but it is often complex. A person sends and receives information in many ways when they are communicating with someone physically in front of them. face-to-face interaction is the most genuine form of social interaction. Technology has enabled people to socially interact without physically being in the same place. Technology and human life cannot be separated; society has a cyclical co-dependence on technology. We use technology; depend on technology in our daily life and our needs and demands for technology keep on rising. It is impossible to explore how each new advanced technology has impacted our lives and how it will impact the future. Technology impacts the environment, people and the society as a whole. The way we use technology determines if its impacts are positive to the society or negative. In this paper we discussed both positive and negative impacts of technology on our society.*

**Key Words:** Social Life, Personal Communication, Resource Degradation, Population Increase, Pollution Increase

**मुख्य शब्द :** सामाजिक जीवन, व्यक्तिगत संचार, संसाधन क्षरण, जनसंख्या वृद्धि, प्रदूषण में वृद्धि

प्रौद्योगिकी का सामाजिक प्रभाव होने के अर्थ पर गहरा असर पड़ा है और लगातार पड़ रहा है।

### 1. प्रस्तावना :

हमारी दुनिया अभी भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बदल रही है और आगे बढ़ रही है। हमारे सपने भविष्य के लिए आधार शिला बन जाते हैं। इन दिनों प्रौद्योगिकी की उपस्थिति से बचने में मुश्किल लगती है। अधिकांश लोग अपने दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले कई तकनीकी उपकरण (गैजेट) जैसे मोबाइल, कम्प्यूटर आदि की प्रशंसा करेंगे। हम में से कई लोग दिन भर नौकरी करने, घूमने और कुछ चीजों को खोजने के लिए इस पर निर्भर करते हैं। प्रौद्योगिकी बहुत तेज गति से विकसित हो रही है। कुछ साल पहले तक जहाँ लोगों ने यह सोचा भी नहीं था कि क्या यह वास्तविक हो सकता है, परंतु अब यह एक वास्तविकता बनकर उभर रहा है [1],[2],[8],[9]।

समय और स्थान (जैसे हवाई जहाज, कार, इंटरनेट) की बाधाओं को दूर करने में सक्षम प्रौद्योगिकियों के प्रसार के साथ, कोई सोचता है कि इन उपकरणों का उपयोग अन्य संस्कृतियों की समझ हासिल करने के लिए किया जाएगा, दुनिया भर के लोगों से संपर्क बढ़ेगा, पारिवारिक संबंधों को बनाए रखने और मजबूत करने, दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने और लोगों को सामाजिक रूप से और भी अधिक से अनुकूल होने में मदद करते हैं। हालांकि, कुछ तकनीकी प्रगति लोगों को विचलित, अत्यधिक तनाव ग्रस्त और तेजी से अलग करने का कारण बनती है। बहुत से लोग प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रचुर मात्रा में संबंधों को निभाते हैं। लेकिन कभी-कभी इन संबंधों की मात्रा, लोगों को गुणों के स्तर पर काफी खालीपन महसूस कराती है [1],[2],[5],[6]। जाहिर है,

### 2. परिचर्चा :

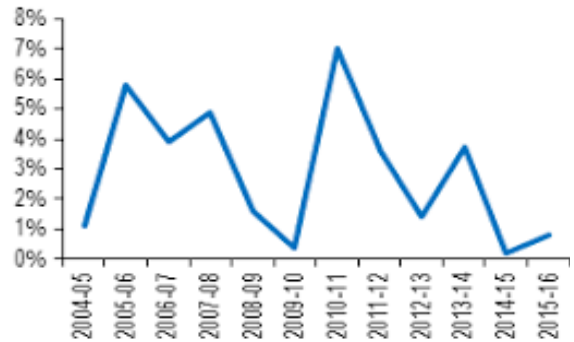
समाज सामाजिक क्रांति के केंद्र में हैं, जिसके दौरान सामाजिक रूप से उचित और स्वीकार्य व्यवहार (डिजिटल या आभासी बातचीत के संबंध में) को फिर से परिभाषित करना महत्वपूर्ण होगा। हम इतिहास के उस बिंदु पर हैं, जहां बहुत कम लोगों ने प्रौद्योगिकी द्वारा बनाई गई नई सामाजिक वास्तविकताओं तथा व्यक्तिगत और समाज के लिए उन वास्तविकताओं का क्या अर्थ है, इसके लिए महत्वपूर्ण विचार दिया है। हमारी दुनिया अभी भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बदल रही है और आगे बढ़ रही है। हमारे सपने भविष्य के लिए आधार शिला बन जाते हैं। इन दिनों प्रौद्योगिकी की उपस्थिति से बचने में मुश्किल लगती है। इस खंड में हम कुछ सामाजिक प्रौद्योगिकियों की बारीकी से जांच करते हैं जो अधिकांश समाज को प्रभावित करते हैं। पहले हम आभासी समुदायों, सोशल नेटवर्किंग साइटों, और आज के संचार उपकरण को देखते हैं, फिर हम गेमिंग और टेलीविजन पर गंभीर रूप से केंद्रित करते हैं [1],[2],[3]। हालांकि, कुछ तकनीकी प्रगति लोगों को विचलित, अत्यधिक तनाव ग्रस्त और तेजी से अलग करने का कारण बनती है। बहुत से लोग प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रचुर मात्रा में संबंधों को निभाते हैं। इस बारे में सोचें कि प्रत्येक तकनीक आपके सामाजिक जीवन और सामाजिक कौशल को कैसे प्रभावित करती है। ध्यान रखें कि ये केवल कुछ तकनीकें हैं जो आपको सामाजिक रूप से प्रभावित कर सकती हैं। परंतु यहां एक व्यापक सूची देकर उस पर चर्चा संभव नहीं है। यहाँ अग्रिम खंड में समाज पर प्रौद्योगिकी के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव पर चर्चा की गयी है।

### 3. समाज पर प्रौद्योगिकी के सकारात्मक प्रभाव :

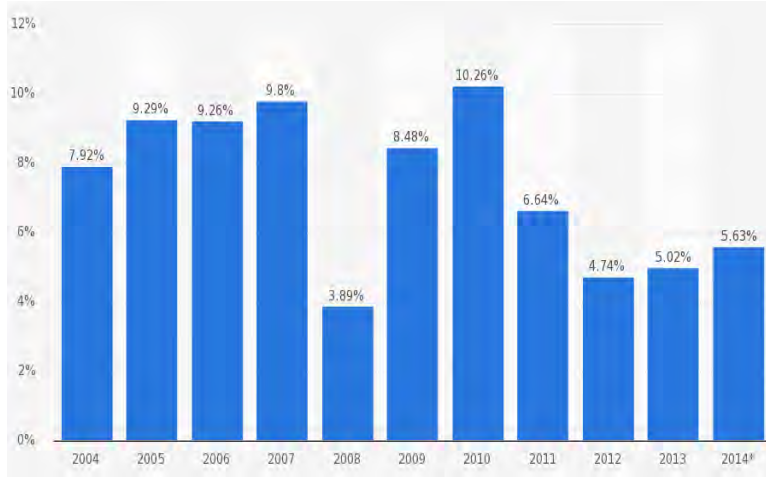
#### 3.1 प्रौद्योगिकी ने कृषि को मशीनीकृत किया है

प्रौद्योगिकी ने कृषि को भी आधुनिकीकृत किया है। आधुनिक कृषि तकनीक में लोगों की कम संख्या में आवश्यकता होती है और कम समय में व छोटे निवेश द्वारा बड़ी मात्रा में खाद्य पदार्थ पैदा होते हैं जिसके परिणामस्वरूप उच्च पैदावार द्वारा आर आई ओ (ROI) “निवेश पर वापसी” होती है। सरकारी सब्सिडी के माध्यम से, छोटे और मध्यम वर्ग के खेतिहर किसान खेती, बुवाई, पानी और कटाई मशीनों को हासिल करने में कामयाब रहे हैं। कृषि में प्रौद्योगिकी के उपयोग के परिणाम स्वरूप आनुवंशिक फसलों का उत्पादन भी तेजी से बढ़ सकता है और वे कई कीटों और बीमारियों से प्रतिरोधी भी हो सकते हैं। इसके अलावा, किसानों की कृत्रिम उर्वरकों तक पहुंच होती है जो मिट्टी का मूल्य-संवर्धन करती है और अपनी फसलों के विकास को बढ़ावा देती है। यह उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली उपज का उत्पादन करने में सक्षम बनाती है। शुष्क क्षेत्रों में किसान स्वस्थ फसलों को विकसित करने की स्थिति में हैं, वे उन्नत जल पंप और स्पिंकलर का उपयोग करते हैं जो नदियों से खेतों तक पानी प्राप्त करते हैं। सभी प्रक्रियाओं को समय बचाने के लिए स्वचालित किया जा सकता है। मिस्र का एक अच्छा उदाहरण है, यह एक रेगिस्तानी देश है जहाँ कम बारिश होती है, लेकिन छोटे और बड़े किसानों ने अपनी खेतों की सिंचाई करने के लिए स्वचालित स्पिंकलर का उपयोग किया है। मिस्र में, किसान बहुत अधिक मात्रा में चावल की फसल उगाते हैं। इस फसल को अच्छी तरह से बढ़ने के लिए पर्याप्त पानी की जरूरत होती है जिसे दैनिक आधार पर नील नदी से चावल के खेतों तक पंप द्वारा उपलब्ध कराया जाता है [6],[7]।

कृषि को अधिक विकसित करने में प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका रही है। आज कृषि जैव, प्रौद्योगिकी के उपयोग से रेगिस्तान में भी फसलें उगाना संभव है। इस तकनीक के साथ, पौधों को सूखे की स्थिति में जीवित रहने के लिए तैयार किया जाता है। आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से वैज्ञानिकों ने फसलों को सूखे और कीटों के लिए प्रतिरोधी बनाने के लक्ष्य के साथ मौजूदा जीन में लक्षण पेश करने में कामयाबी हासिल की है। उदाहरण के रूप में, “बेसिलस थुरिंगिनेसिस” नामक एक जीवाणु है जो एक जलाशय की तरह काम करता है। यह फसलों को कीट-प्रतिरोधी होने में सक्षम बनाता है। इसके उपयोग से आनुवंशिक रूप से संशोधित फसल कीटों के हस्तक्षेप के बिना ही बढ़ेगी। इस तकनीक के आविष्कार का उपयोग विकासशील देशों में कपास जैसी नकदी फसलों को उगाने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि यह आनुवंशिक रूप से कपास जैसे पौधे को कीट प्रतिरोधी बनती है। इसके उपयोग द्वारा उत्पादित कपास, सामान्य कपास के पौधों की तुलना में बेहतर होती है। निम्नांकित आलेख भारत में कृषि की स्थिति (कृषि क्षेत्र में कृषि, वानिकी और मछली पालन शामिल हैं) व कृषि विकास प्रतिशत को दर्शाते है। (स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय [10])



आलेख 1 : भारत के कृषि क्षेत्र की वृद्धि (2014-18)



आलेख 2 : कृषि विकास में प्रतिशत वृद्धि

एक आर्थिक विकास दर एक समय की विशिष्ट अवधि के दौरान एक राष्ट्र में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन है, जो कि पहले की अवधि की तुलना में है। आर्थिक विकास दर का उपयोग किसी अर्थव्यवस्था के तुलनात्मक स्वास्थ्य को समय के साथ मापने के लिए किया जाता है। संख्याओं को आमतौर पर तिमाही और वार्षिक रूप से संकलित और रिपोर्ट किया जाता है। जब अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, तो जीडीपी विकास दर सकारात्मक है। अगर जीडीपी की वृद्धि दर नकारात्मक हो जाती है, तो देश की अर्थव्यवस्था मंदी में है। नकारात्मक वृद्धि के साथ, जीडीपी तिमाही या वर्ष से पहले कम है। यह तब तक नकारात्मक होता रहेगा जब तक कि यह एक गर्त से नहीं टकराता।

खेत में उपलब्ध घास की मात्रा की गणना करने के लिए एक किसान द्वारा मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग भी प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इससे किसान का समय और पैसा बचता है, उन्हें पता चलता है कि कितना उर्वरक शेष बचा है और अपने जानवरों को क्या खिलाना है। प्रौद्योगिकी ने

खेती को एक वास्तविक व्यवसाय में बदल दिया है। अब किसानों ने हर प्रक्रिया को विद्युतीकृत कर दिया है। एक उपभोक्ता सीधे ऑनलाइन ऑर्डर कर सकता है, और उत्पाद को खेत से उपभोक्ता तक उस समय पहुंचाया जाता है जब तक वह फ्रेश (ताजा) रहे। इससे किसान का पैसा बचता है और उसकी फसल के उचित दाम मिलते हैं। साथ ही यह दलालों की भूमिका को समाप्त कर देता है जिसके अंतर्गत दलाल किसानों से कम कीमत पर खरीद करते हैं और अंत में उपभोक्ताओं को उची कीमत पर बेचते हैं। हर किसान इस तकनीक का इस्तेमाल अपने तरीके से करता है। कुछ इसका उपयोग उर्वरकों को बनाने के लिए करते हैं, अन्य इसका उपयोग अपने उत्पादों के विपणन के साथ साथ उत्पादन के लिए भी करते हैं।

प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास व उपयोग को देखते हुये, सरकार द्वारा समय समय पर कुछ प्रमुख कृषि आवंटन योजनाएँ प्रक्षेपित की गयी है। इन योजनाओं के उपयोग द्वारा किसान अपनी कृषि की कार्यप्रणाली को उत्तम बना सकता है व उसे आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है [10]।

प्रमुख कृषि आवंटन	संशोधित अनुमान 2017-18	बजट अनुमान 2018-19	% परिवर्तन
हरित क्रांति	11184.66	13908.92	24.4%
श्वेत क्रांति	1632.97	2219.89	35.9%
नीली क्रांति	301.73	642.61	113.0%
प्रधान मंत्री कृषि सिचाई योजना	7392.14	9429.05	27.6%
फसल बीमा योजना	10698	13000	21.5%
किसानों को अल्पकालिक ऋण के लिए ब्याज सब्सिडी	14750	15000	1.7%
फसल विज्ञान	399.66	800	100.2%
बागवानी विज्ञान	154.9	200	29.1%
राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष	36.55	50.75	38.9%
जंतु विज्ञान	271.97	400	47.1%
मत्स्य विज्ञान	115.85	170.69	47.3%
यूरिया सब्सिडी	42748	45000	5.3%
पोषक तत्व आधारित सब्सिडी	22251.8	25090.35	12.8%
भारतीय खाद्य निगम के लिए खाद्य सब्सिडी	101981.69	138123	35.4%
पीडीएस संचालन को मजबूत करना	29.57	41	38.7%
भंडारण और गोदाम	52.82	60	13.6%
खाद्य प्रसंस्करण पर राष्ट्रीय मिशन (SAMPDA)	633.84	0	-100.0%
प्रधान मंत्री कृषि सम्पदा योजना	0	1313.08	na

सारणी 1 : सरकार की प्रमुख कृषि आवंटन योजनाएँ

### 3.2 प्रौद्योगिकी के उपयोग द्वारा परिवहन क्षेत्र का विकास

प्रौद्योगिकी ने परिवहन क्षेत्र में भी सुधार किया है। परिवहन तकनीकी गतिविधि के बुनियादी क्षेत्रों में से एक है। समाज और व्यवसाय दोनों को नए प्रत्यारोपण विधियों से फायदा हुआ है। परिवहन लोगों और वस्तुओं के लिए गतिशीलता प्रदान करता है। परिवहन, अन्य सभी तकनीकों की तरह, एक प्रणाली के रूप में देखा जा सकता है। यह उन हिस्सों की एक श्रृंखला है जो पारस्परिक हैं। ये क्षेत्र एक निश्चित

लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिलकर काम करते हैं। वह परिवहन वाहन, ट्रेन, हवाई जहाज, मोटरसाइकिल, लोग, सड़कों, ऊर्जा, सूचना, सामग्री, वित्त और समय का उपयोग करता है। इन सभी क्षेत्रों में लोगों और वस्तुओं को स्थानांतरित करने के लिए मिलकर काम किया जाता है [5],[6]।

प्रौद्योगिकी ने सभी चार प्रकार के परिवहन को आगे बढ़ाने में मदद की है और इनमें शामिल हैं (1) ऑटोमोबाइल द्वारा उपयोग किए जाने वाले सड़क परिवहन, (2) वायु परिवहन जो विमानों द्वारा

रा उपयोग किया जाता है, (3) जल परिवहन जो जहाजों और गति नौकाओं द्वारा उपयोग किया जाता है और (4) अंतरिक्ष परिवहन चंद्रमा पर जाने के लिए उपयोग किया जाता है। इन सभी में सबसे अधिक उपयोगी सड़क परिवहन हैं। यह माल और लोगों के परिवहन की सुविधा प्रदान करता है। ऑटोमोबाइल, बसों और ट्रकों जैसी प्रौद्योगिकियों ने इंसानों को आगे बढ़ने के तरीके में सुधार किया है और अपने सामान को एक से दूसरे स्थान पर ले जाने की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, विकासशील देशों को अपने सड़क परिवहन में सुधार के लिए अमीर देशों से धन मिल रहा है जिसके परिणाम स्वरूप ग्रामीण दूरस्थ क्षेत्रों का विकास हुआ है। आधुनिक परिवहन प्रौद्योगिकी ने व्यक्तियों के लिए लंबी दूरी तय करना आसान बना दिया है। चूंकि परिवहन हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए तकनीक इसे अधिक कुशल और तेज बनाने पर नियमित रूप से

काम कर रही हैं। पहला स्टीमशिप 1770 के दशक में बनाया गया था, पहली भाप संचालित ट्रेन 1798 में बनाई गई थी, और आधुनिक कार 1886 में बनाई गई थी, जबकि पहली संचालित, नियंत्रित उड़ान 1903 में हुई थी। आधुनिक परिवहन प्रौद्योगिकी ने व्यक्तियों के लिए लंबी दूरी तय करना आसान बना दिया है। आज हम कारों, ट्रेनों, बसों और हवाई जहाज जैसे परिवहन को अच्छी तरह से विकसित साधनों के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं जो मूलभूत आवश्यकता बन गए हैं। पिछले दशकों में, ऑटोमोबाइल उद्योग में तकनीकी क्रांति का सामना करना पड़ रहा था, क्योंकि बिजली के यंत्र तूफान की गति से दुनिया में अपनी जगह ले रहे थे। जिसके परिणाम स्वरूप आज हम बिना प्रौद्योगिकी के अधूरे हो जाते हैं [6], [7]।

NHPD के चरण	ब्यौरे	लंबाई	सांकेतिक लागत (करोड़)
NHDP-I & II	GQ और EW-NS	गलियारों का संतुलन कार्य	13,000 कि. मी.(8,100 मि.)
NHPD-III	4-लानिंग	10,000 कि. मी.(6,200 मि.)	55,000
NHPD-IV	2-लानिंग	20,000 कि. मी.(12,000 मि.)	25,000
NHPD-V	6-चयनित स्ट्रेच का लानिंग	5,000 कि. मी.(3,100 मि.)	17,500
NHPD-VI	एक्सप्रेसवे का विकास	1,000 कि. मी.(620 मि.)	15,000
NHPD-VII	रिंग रोड, बाईपास, ग्रेड सेपरेटर, सर्विस रोड आदि।	700 कि. मी. (430 मि.)	15,000
	कुल	45,000 कि. मी.(28,000 मि.)	1,69,500 (संशोधित 2,20,000)

सारणी 2 : भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना

नोट : 1 करोड़ = 10 मिलियन



प्रौद्योगिकी के विभिन्न परिवहन क्षेत्रों में हुये विकास का एक माध्यम राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास भी है। भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना को ऊपर दी गयी तालिका में दर्शाया गया है। यहाँ चरण-VII, महत्वपूर्ण शहरों के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ आसान कनेक्टिविटी को सक्षम करने के लिए रिंग रोडों को जोड़कर शहर के सड़क नेटवर्क में सुधार के लिए बताता है [11]।

### 3.3 प्रौद्योगिकी ने संचार बेहतर किया है

प्रौद्योगिकी के माध्यम से संचार के क्षेत्र में अत्याधिक सुधार हुआ है। कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए संचार का उपयोग किया जाता है। हम समाज और संगठन दोनों की सूचनाओं को स्थानांतरित करने के लिए संचार पर निर्भर करते हैं। लोग एक दूसरे के साथ संवाद करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं। रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, सोशल मीडिया जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने हमारे समाज को विकसित

करने वाले विचारों का आदान-प्रदान करने के तरीके में सुधार किया है। कई देशों में, समाज की चिंताओं को सुनने के लिए रेडियो और टेलीविजन का उपयोग किया जाता है। वे लाइव फोरम व्यवस्थित करते हैं जहां समुदाय मोबाइल फोन या टेक्स्ट सेवा सिस्टम जैसे ट्वीटर के माध्यम से योगदान कर सकता है [2]। राजनीतिक चुनावों के दौरान, नेता उन लोगों तक पहुंचने के लिए रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट मीडिया का उपयोग करते हैं, जिन्हें वे सेवा देना चाहते हैं। टेलीविजन, रेडियो और इंटरनेट जैसी संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग समाज को मनाने, मनोरंजन और सूचित करने के लिए किया जा सकता है। छोटे व्यवसायों ने अपनी ग्राहक सेवा को बढ़ाने और सुधारने के लिए इंटरनेट और मोबाइल संचार प्रौद्योगिकी का भी उपयोग किया है [1],[6],[8]। प्रौद्योगिकी के माध्यम से संचार के क्षेत्र में हुए विकास को निवेश दर के माध्यम से नीचे दी गयी सारणी में दर्शाया गया है।

2014	2015	2016	2017	2018	2020 (अपेक्षित)	2030 (अपेक्षित)	2040 (अपेक्षित)	
निवेश में वर्तमान रुझान	3,396	11,261	14,253	14,821	15,387	16,536	22,176	28,448
बुनियादी ढांचे में निवेश की जरूरत	3,396	11,261	18,072	18,876	19,679	21,303	29,311	37,952

सारणी 3 : भारत में टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश (यूएसडी मिलियन में)

### 3.4 प्रौद्योगिकी द्वारा शिक्षा और सीखने की प्रक्रिया में सुधार हुआ है

प्रौद्योगिकी ने शिक्षा और सीखने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा हर अर्थव्यवस्था का आधार है। लोगों को अच्छी तरह से व्यवस्थित शैक्षणिक आधार भूत संरचना की आवश्यकता होती है ताकि

वे नई जानकारी सीख सकें। कई स्कूलों ने छात्रों के सीखने के तरीके को बेहतर बनाने के एक महान उद्देश्य के साथ अपने स्कूलों में शैक्षणिक प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करना शुरू कर दिया है। छात्रों में नैतिकता की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट व्हाइटबोर्ड, कंप्यूटर, मोबाइल फोन, आईपैड, प्रोजेक्टर

और इंटरनेट जैसी तकनीकों का कक्षाओं में उपयोग किया जा रहा है। ख़रश शिक्षा अधिक लोकप्रिय हो रही है और यह गणित, भौतिकी, जीवविज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र और कई अन्य विषयों जैसी शिक्षाओं को सिखाने का सबसे अच्छा तरीका साबित हुआ है। व्यापार समुदाय ने विभिन्न शैक्षिक प्रौद्योगिकियों में पैसा निवेश किया है जिसका उपयोग शिक्षकों और उनके छात्रों दोनों द्वारा किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, आईट्यून्स (iTunes) पर, आपको कई शैक्षिक अनुप्रयोग मिलेंगे जो छात्रों और शिक्षकों को किसी भी समय विषय विशेष की जानकारी का आदान-प्रदान करने की अनुमति दे सकते हैं। इसने सभी वर्गों (शिक्षक व छात्रों) को मोबाइल का उचित उपयोग सिखा दिया है। इसके अलावा, दूरस्थ शिक्षा जैसे कार्यक्रमों ने दुनिया भर में इतने सारे विद्वानों तक पहुँच के दरवाजे खोले हैं [1], [3],[6]।

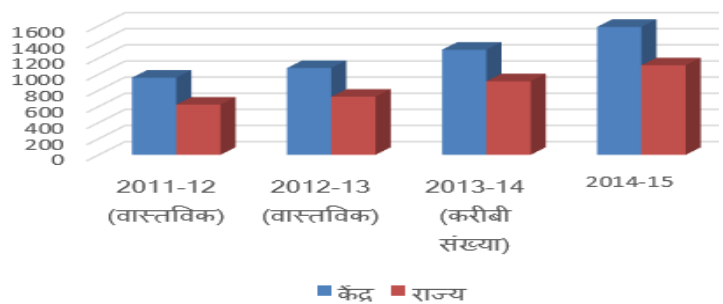
### 3.5 प्रौद्योगिकी द्वारा चिकित्सा और स्वास्थ्य व्यवस्था का विकास

चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्वास्थ्य देखभाल में भारी सुधार के पीछे प्रौद्योगिकी चालक शक्ति है। प्रौद्योगिकी ने कई निर्दोष जीवनों को बचाने में मदद की है। मानव चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान में सुधार हुआ है। मानव स्वास्थ्य समस्याओं और चुनौतियों पर व्यापक शोध करने के लिए डॉक्टरों और चिकित्सा छात्रों ने मेडिकल तकनीकी उपकरण का उपयोग शुरू किया है। इस व्यापक शोध के परिणाम स्वरूप नई दवाओं के विकास और उपचार से कई चुनौती पूर्ण मानव रोगों को ठीक करने में मदद मिली है। इससे कई सारे जीवनों को बचाने में मदद मिली है और इससे

मानव जीवन भी बढ़ गया है। अधिकांश अस्पतालों ने आज अस्पतालों और शल्य चिकित्सा कक्षाओं में आधुनिक तकनीक लागू की है। उपचार की बढ़ी पहुँच भी सबसे आश्चर्य जनक तरीकों में से एक है और चिकित्सा प्रौद्योगिकी ने स्वास्थ्य संबंधी देखभाल को बदल दिया है। अस्पतालों में तकनीकी उन्नति के अलावा, कई स्वास्थ्य फोन और डेस्कटॉप ऐप्स भी हैं जो आपको दिन के किसी भी समय अपने वजन, हृदय गति और अन्य स्वास्थ्य गुणों की आसानी से निगरानी करने की अनुमति देते हैं। कहने की जरूरत नहीं है, इंटरनेट चिकित्सा जानकारी का हमारा मुख्य स्रोत है। वेब पर कई बीमारियों के सुझाए गए उपचार भी हैं, साथ ही इनके वैकल्पिक समाधान भी उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी ने डॉक्टरों को दुनिया भर के सहयोगियों से परामर्श करने के लिए टेक्स्ट संदेश, वीडियो और ई-मेल का उपयोग करने में भी सक्षम किया है, जो कि ग्रामीण और विकसित क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों और डॉक्टरों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है [1], [5],[6]।

वित्तीय वर्ष	केंद्र	राज्य
2011-12 (वास्तविक)	957.63	622.45
2012-13 (वास्तविक)	1076.68	721.37
2013-14 (करीबी संख्या)	1304.42	913.09
2014-15	1587.86	1111.5

सारणी 4: कुल स्वास्थ्य व्यय आकड़ों में



आलेख 3: कुल स्वास्थ्य व्यय में केंद्र और राज्य (अरब रुपये)



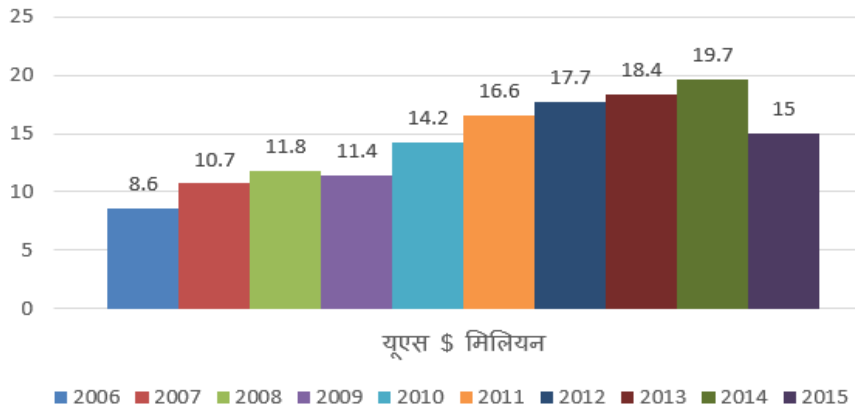
राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में 2025 तक समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक व्यय स्वास्थ्य को जीडीपी के 2.5% तक बढ़ाने की परिकल्पना की गई है। भारत में स्वास्थ्य सेवा पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में खर्च पर नियंत्रण 2004-05 (वास्तविक) में 1.16% से बढ़कर 2016-17 (BE) में आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 1.4% हो गया है [12]।

### 3.6 प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसायों के स्रोतों का विकास

तकनीकी प्रगति ने व्यवसायों और संगठनों को उत्पादन के समय और लागत को बचाने में मदद की है, जो कि सभी व्यवसायों के लिए एक लाभ है। वे प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के लिए इस प्रगति का प्रबंधन करते हैं। एक अच्छा उदाहरण है कि 3 जी & 4 जी ब्रॉडबैंड, छोटे व्यवसायों ने ऑपरेशन की कम लागत के साथ लक्षित बाजारों तक पहुंचने के लिए इस सुपर फास्ट इंटरनेट का लाभ उठाया है। अतीत में, केवल बड़ी सफल कंपनियां ही बाजार पर हावी थी, क्योंकि वे किसी भी लक्षित बाजार तक पहुंचने के लिए टेलीविजन पर महंगा विज्ञापन दे सकते थे। छोटे व्यवसायों में आमतौर पर महंगे बजट नहीं होते थे और किसी भी लाभदायक बाजार में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल लगता था। अब उन्नत इंटरनेट प्रौद्योगिकियों के साथ, एक छोटा-सा व्यवसाय एक छोटे से बजट के साथ भी सबसे उन्नत इंटरनेट मार्केटिंग टूल का उपयोग कर सफलता हासिल

कर सकता है और अधिक लक्षित ग्राहकों तक पहुंच सकता है [1],[6]।

प्रौद्योगिकी में विकास का असर पर्यटन पर भी अधिकाधिक हुआ है। भारत में पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण भी है और तेजी से बढ़ रहा है। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद ने गणना की कि पर्यटन ने 2018 में 16.91 लाख करोड़ (240 बिलियन अमरीकी डॉलर) या 9.2% भारत की जीडीपी का योगदान किया और 42.673 मिलियन नौकरियों, अपने कुल रोजगार का 8.1% का समर्थन किया। इस क्षेत्र को 2028 तक 6.9% की वार्षिक दर से बढ़कर 32.05 लाख करोड़ (460 बिलियन अमरीकी डॉलर) होने का अनुमान है (जीडीपी का 9.9%)। अक्टूबर 2015 में, भारत के चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र का मूल्य 3 बिलियन अमरीकी डॉलर था, और इसे 2020 तक 7ख्र8 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। 2014 में, 184,298 विदेशी रोगियों ने चिकित्सा की तलाश के लिए भारत की यात्रा की। इन उपलब्धियों का श्रेय प्रौद्योगिकी के विकास को जाता है [13]।

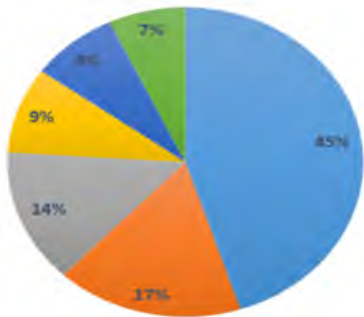


आलेख 4 : पर्यटन से विदेशी मुद्रा भंडारण में विस्तार

#### 4. समाज पर प्रौद्योगिकी के नकारात्मक प्रभाव :

##### 4.1 संसाधनों का क्षरण

नई प्रौद्योगिकियों और मौजूदा प्रौद्योगिकियों के उन्नयन की अधिक मांग के कारण हम पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों पर अधिक दबाव डालते हैं। आज निर्मित होने वाले मोबाइल फोन और कंप्यूटर की कुल संख्या देखें हमारी आबादी हर दिन बढ़ रही है और इन सभी अरब उपभोक्ताओं को या तो अपने घर या कार्यालयों में मोबाइल फोन या कंप्यूटर की मांग है। ऐप्पल या सैमसंग जैसे विनिर्माण के लिए यह अच्छी खबर है, उनके गैजेट की मांग अधिक है, लेकिन इस मांग को बनाए रखने के लिए, उन्हें पृथ्वी की प्लेटों से निकाले जाने के बाद एल्यूमीनियम जैसे संसाधनों के लिए मरने का फायदा उठाना होगा, वे कभी वापस न आएँ क्योंकि परिपक्व होने में उन्हें अरबों साल लगे। इसका मतलब है कि एक समय में, हमें कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं छोड़ा जाएगा। इससे भविष्य की पीढ़ी और अर्थव्यवस्था के लिये समस्या हो सकती है। इसी प्रकार, गहन खेती के तरीके मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को कम कर देंगे। इससे स्वस्थ उपज पैदा करने के लिए, आवश्यक वाणिज्यिक उर्वरकों के भारी अनुप्रयोग की अनिवार्यता बनाता है, लेकिन इन उर्वरकों में ऐसे रसायन होते हैं जो मिट्टी और मानव जीवन के लिए खतरनाक होते हैं [5],[6],[7]।

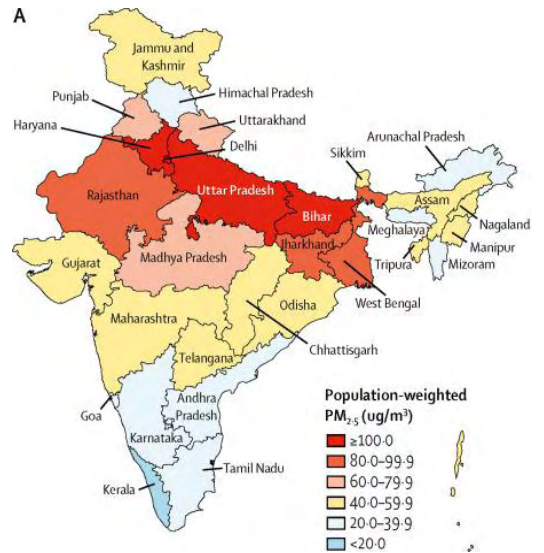


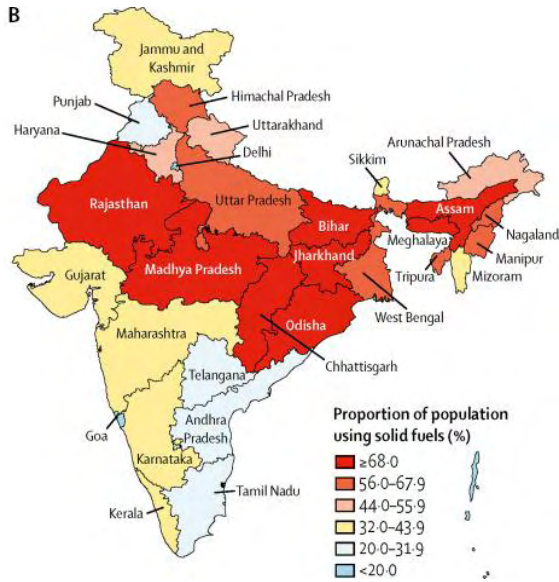
आलेख 5 :  
वायु प्रदूषण  
के स्रोत

प्रस्तुत आलेख दर्शाता है कि धूल और निर्माण (आसमानी रंग) कार्यों द्वारा 45% प्रदूषण, कचरा (नारंगी) जलाने के कारण 17% प्रदूषण, ट्रांसपोर्ट (बेगनी) के विभिन्न माध्यमों से 14% प्रदूषण, डीजल जनरेटर (पीला) के द्वारा 9% प्रदूषण, विभिन्न उद्योगों (नीला) के कारण 8% प्रदूषण तथा घरेलू खाना (हरा) पकाने के कारण 7% प्रदूषण होता है।

##### 4.2 बढ़ी हुई जनसंख्या जनसँख्या वृद्धि

प्रौद्योगिकी ने हमें स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करके और मनुष्यों को प्रभावित करने वाली अधिकांश स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए शोध में सहायता करके लंबे समय तक जीने में मदद की है। यह विकसित देशों के लिए अच्छी खबर है लेकिन विकासशील देशों के लिए बुरी खबर है जो प्रौद्योगिकी द्वारा लाए गए इन स्वास्थ्य देखभाल लाभों तक पहुंचने की स्थिति में नहीं हैं [3]।



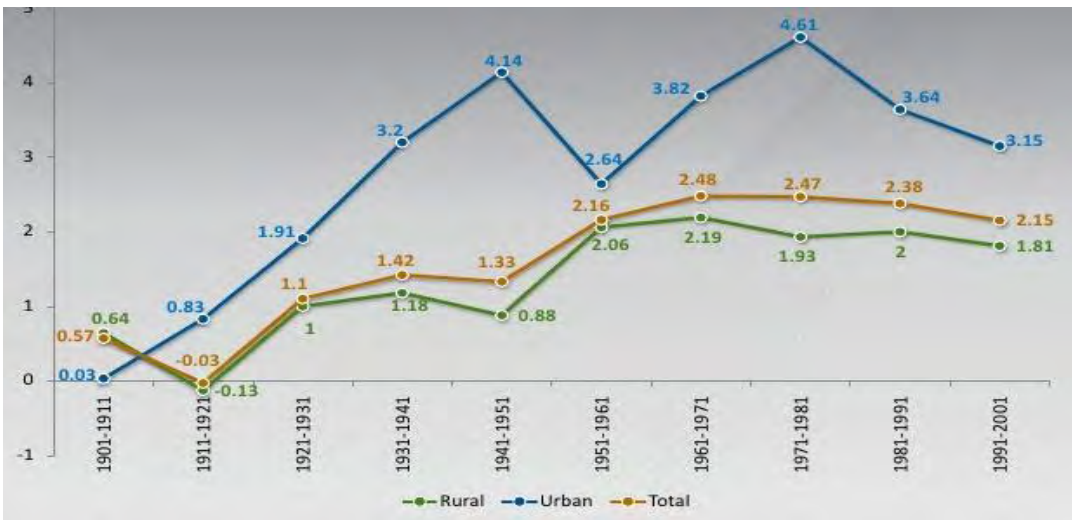


आलेख 6 : भारत जनसंख्या एवं ठोस ईंधनों के उपयोग से जनसंख्या का अनुपात

विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि को उन्नत जन्म नियंत्रण विधियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है, इससे प्राकृतिक संसाधनों और योजनाबद्ध आबादी के साथ आने वाले अन्य अवसरों के संबंध में उनकी आबादी को संतुलित करने में मदद मिली है। विकासशील देशों में यह अलग है, जिस दर पर लोग उत्पादन करते हैं, वह बहुत अधिक है, मृत्यु दर बहुत अधिक है, भोजन दुर्लभ है और स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था खराब है [6],[8]।

Census year	Total population (in million)	Decadal growth
1901	238.4	-
1911	252.1	5.8
1921	251.3	(0.3)
1931	279.0	11
1941	318.7	14.2
1951	361.1	13.3
1961	439.2	21.6
1971	548.2	24.8
1981	683.3	24.7
1991	846.4	23.9
2001	1028.7	21.5
2011	1210.2	17.6

सारणी 5 : जनसंख्या वृद्धि आकड़ों में

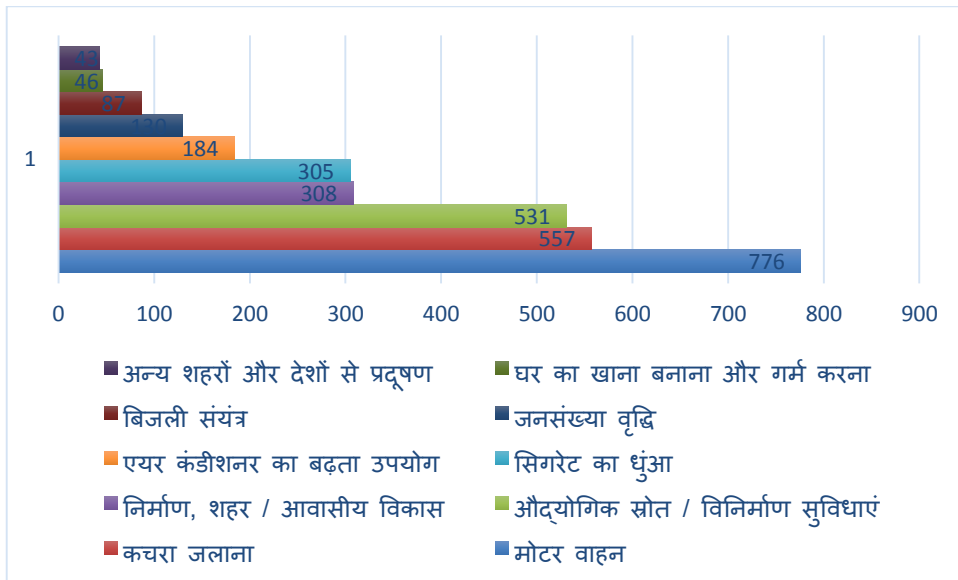


आलेख 7 : भारत में जनसंख्या की औसत वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर ग्रामीण / शहरी अंतर के साथ

### 4.3 बढ़ता प्रदूषण

प्रदूषण का बढ़ता स्तर उस भूमि को प्रभावित करता है जिस पर हम फसलों को विकसित करते हैं, वह पानी जिसे हम पीते हैं और जिस हवा में हम सांस लेते हैं। नई प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकियों के उन्नयन की बढ़ती मांग के परिणामस्वरूप कई विनिर्माण और प्रसंस्करण कारखानों में वृद्धि हुई है। चूंकि वे समाज और व्यापार दोनों के लिए सर्वोत्तम तकनीक बनाने के लिए इतनी मेहनत करते हैं, वे हानिकारक रसायनों और गैसों को छोड़ देते हैं जिन्होंने हमारे पर्यावरण को प्रदूषित कर दिया है और इसके

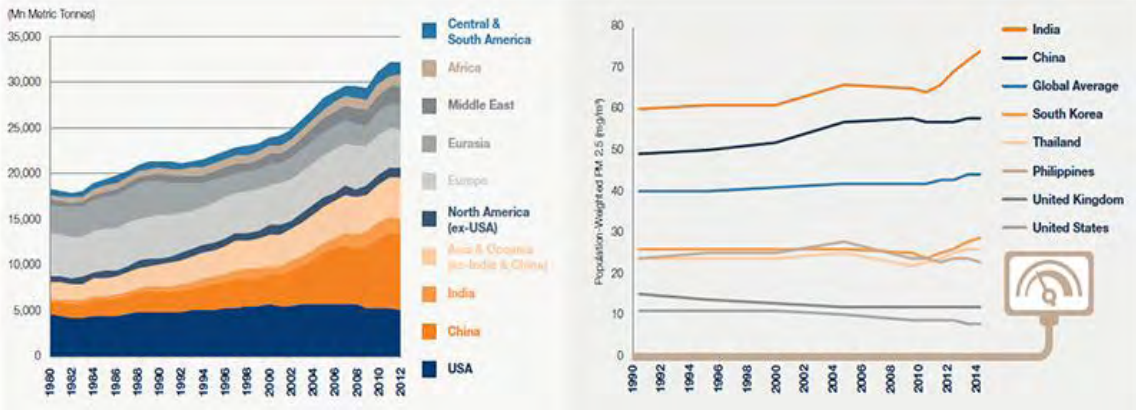
परिणामस्वरूप जलवायु में परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) हुआ है। अतः हम जितनी अधिक तकनीक का आनंद लेते हैं, उतना ही हम अपने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। विशेषज्ञों ने कारखानों को हरित प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके इस प्रभाव को कम करने के तरीकों को लागू करने की कोशिश की है। कुछ हद तक, यह हरित प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से पर्यावरण हितैषी द्वारा हासिल किया गया है, लेकिन हवा और पृथ्वी के प्रदूषण को कम करने के लिए अभी भी एक अथक प्रयास की आवश्यकता है [5],[6],[7]।



आलेख 8 : विभिन्न मापदंडों पर तुलनात्मक अध्ययन

सामाजिक तकनीक मूल्यवान हैं क्योंकि हम उन मित्रों और परिवार से जुड़े रहने में सक्षम हैं जो आगे हैं लेकिन यह आमने-सामने बातचीत के स्वरूप में बदलाव शुरू कर रहा है। यह एक सचेत निर्णय नहीं हो सकता है, लेकिन अधिक से अधिक लोग व्यक्तिगत रूप से दूसरों के साथ बातचीत करने के

बजाय सामाजिक बातचीत के लिए प्रौद्योगिकी पर भरोसा करते हैं। कुछ लोग प्रमुख तकनीकी नवाचार स्मार्ट फोन, लैपटॉप और इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने हमारे जीवन के कई पहलुओं को बहुत प्रभावित किया है [2],[8],[9]।



आलेख 9 : CO<sub>2</sub> उत्सर्जन समय रेखा और प्रति वर्ष औसत वार्षिक प्रदूषण संकेंद्रण में विभिन्न देशों के बीच तुलना

आज इंटरनेट एक अविश्वसनीय गति से दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। दुनिया की लगभग 32.7% आबादी इंटरनेट तक पहुंच चुकी है। इंटरनेट गैर-तकनीकी समुदायों, सोशल नेटवर्किंग और सहयोगी सेवाओं के लिए सर्वव्यापी, तेज और तेजी से सुलभ हो गया है, जिससे लोगों को आपस में संवाद करने और कई तरीकों से हितों को साझा करने में सक्षम बनाता है। फेसबुक, ट्विटर, लिंकड-इन, यूट्यूब, फ्लिकर, सेकेंड लाइफ, स्वादिष्ट, ब्लॉग, विकी, और कई अन्य लोगों की साइटें सभी उम्र के लोगों को हर जगह दूसरों के साथ इस पल के अपने हितों को तेजी से साझा करने देती हैं [2], [3]।

हमारी दुनिया प्रौद्योगिकी से आगे निकल गई है। प्रौद्योगिकी ने कई प्रगति और उपयुक्तताओं के साथ मानव जाति को सहायता प्रदान की है। प्रौद्योगिकी हमारे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों लिए कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम भी प्रस्तुत करती है। यह न केवल तकनीकी उपकरणों के पुराने उपयोग से सामाजिक कौशल के विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालती है, बल्कि यह बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती

है। अवसाद एक बच्चे की सामाजिक अक्षमता में एक अभिन्न भूमिका निभाता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड ह्यूमन डेवलपमेंट में प्रकाशित एक अध्ययन में, प्रौद्योगिकी ने अवसाद वाले बच्चों के लिए गतिहीन बने रहना आसान बना दिया है। अध्ययन में, प्रमुख अवसाद वाले 30% बच्चों ने दिन में कम से कम 3 घंटे इंटरनेट का उपयोग किया। यह उन 12% की तुलना में है जिनके पास अवसाद नहीं है, जो अक्सर इंटरनेट का उपयोग करते हैं।

प्रौद्योगिकी बुनियादी कौशल सीखने के लिए एक छात्र की क्षमता को कम कर देती है। छात्रों द्वारा बुनियादी गणित और वर्तनी कौशल का उपयोग नहीं किया जाता है क्योंकि कंप्यूटर या टैबलेट उनके लिए कैलकुलेटर और वर्तनी जांच का काम करते हैं। प्रौद्योगिकी संचार को तेज और अधिक सुविधाजनक बनाती है। हालाँकि, यह वार्तालापों को भी चित्रित कर सकता है और जब आप अपनी वास्तविक पहचान को विभाजित नहीं करते हैं तो बहुत आसानी से कोई भी अन्य आपका नुकसान कर सकता है। प्रौद्योगिकी उपयोगकर्ताओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर



बड़ा प्रभाव डाल सकती है। प्रौद्योगिकी से अत्यधिक जुड़े होने से मनोवैज्ञानिक मुद्दे जैसे चिंता, व्याकुलता, संकीर्णता, तत्काल संतुष्टि की उम्मीद और यहां तक कि अवसाद जैसे अन्य मानसिक स्वास्थ्य विकार भी हो सकते हैं। उपयोगकर्ताओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के अलावा, प्रौद्योगिकी के उपयोग से शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं, जिससे खरिष्ट समस्याएं, सुनवाई हानि और गर्दन में खिंचाव हो सकता है। पर्यावरण पर भी प्रौद्योगिकी का प्रभाव इतना विशाल है कि दुनिया भर में जलवायु में भारी बदलाव हो रहे हैं।

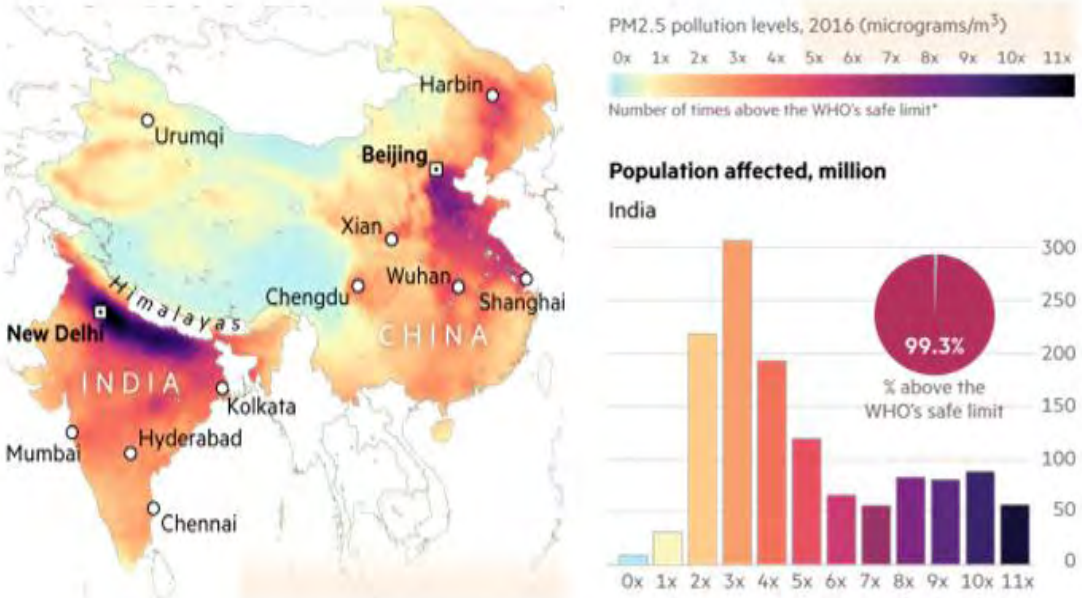
प्रौद्योगिकी के अधिकाधिक उपयोग से ग्लोबल वार्मिंग, पक्षियों के विलुप्त होने, पौधों और बीमारियों

के लिए अधिक प्रसार के रूप में क्षति तेजी से हो रही है। ग्रीष्मकाल सुपर गर्म हो रहा है, जबकि सर्दियाँ बहुत सर्द हो रही हैं। इसके अलावा, ठंडे देशों में कम ठंड का सामना करना पड़ रहा है जबकि गर्म का अनुभव, ठंडा और इसके विपरीत है। यह सामान्य जीवन को सामान्य से काफी कठिन बनाता है। हमें एयर कंडीशन सिस्टम जैसे बदलाव से निपटने के लिए आराम की जरूरत है। लेकिन यह समग्र रूप से जानवरों, पौधों और जलवायु के लिए हानिकारक होगा। ये नकारात्मकता प्रदूषण में वृद्धि, गर्मी पैदा करने, निष्क्रिय जीवन की आदतों, गैजेट्स पर अधिक निर्भरता के कारण हैं। नीचे दिये गये कुछ आलेख प्रौद्योगिकी के प्रमुख नकारात्मक प्रभावों को दर्शाते हैं।



चित्र 1 : प्रौद्योगिकी के नकारात्मक प्रभाव को दर्शाते विभिन्न क्षेत्र





आलेख 10 : भारत की खराब वायु गुणवत्ता चीन के सापेक्ष तथा प्रदूषण स्तर से प्रभावित जनसंख्या

## 5. निष्कर्ष :

यह स्पष्ट हैं कि प्रौद्योगिकी में हमारे सामाजिक कौशल और सामाजिक जीवन को नुकसान पहुंचाने या बढ़ाने की क्षमता हैं। हम सभी ध्यान दे सकते हैं कि हमारे मस्तिष्क अब जिस तरह से काम करते थे, वे काम नहीं कर रहे हैं। एक दशक से अधिक समय के लिए, हम ऑनलाइन समय, इंटरनेट खोज और सर्फिंग करने में काफी समय बिता रहे हैं। शोध जो कि एक बार ढेर या पुस्तकालयों के आवधिक कमरे में दिनों की आवश्यकता होती है अब मिनटों में किया जा सकता है। हमारी दुनिया प्रौद्योगिकी से आगे निकल गई है। प्रौद्योगिकी ने कई प्रगति और उपयुक्तताओं के साथ मानव जाति को सहायता प्रदान की है। प्रौद्योगिकी हमारे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों लिए कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम भी प्रस्तुत करती है। यह न केवल तकनीकी उपकरणों के पुराने उपयोग से सामाजिक कौशल के विकास पर नकारात्मक प्रभाव

डालती है, बल्कि यह बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है।

कुंजी यह विश्लेषण करना है कि तकनीक हमारे सामाजिक रूप को कैसे प्रभावित करती है। क्या तकनीक हमें सकारात्मक, सार्थक संबंध बनाने में मदद करती है, या तकनीकें इस प्रक्रिया में बाधा डालती हैं? क्या हम अपने जीवन में प्रौद्योगिकियों के कारण संवाद करने, सुनने और साझा करने में सक्षम हैं? क्या हम अपने संबंधों को बेहतर बनाने और नए बनाने के लिए प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हैं? क्या हम लोगों को यह बताते हैं कि हम कौन हैं और हम इस दुनिया में क्या योगदान करते हैं, या क्या हम केवल उलझनों तथा कामों से खुद को विचलित कर रहे हैं? क्या तकनीक दूसरों के लिए हमारी चिंता को बढ़ाती है या घटती है, दूसरों के लिए हमारी करुणा, और उनकी सेवा करने की हमारी इच्छा? प्रौद्योगिकी के बारे में महत्वपूर्ण सवाल विचारणीय हैं।

**संदर्भ :**

1. Mohammed M. Elsobeihi, Samy S. Abu Naser, "Effects of Mobile Technology on Human Relationships", International Journal of Engineering and Information Systems (IJEAIS), ISSN: 2000-000X, Vol. 1, Issue 5, July 2017, Pages: 110-125.
2. Fatin Izatie Mohamad Adib, Halida Yu and Saidatul Akmar Ismail, "Impact of Technology to Social Interaction Among Family Members", Research Hub, ISSN: 2180-0065, Vol.2, Issue 1 (2016), Pages: 6-14.
3. Christian Heath, Hubert Knoblauch and Paul Luff, "Technology and social interaction: the emergence of 'workplace studies'", British Journal of Sociology, Vol. No. 51, Issue No. 2 (June 2000), Pages 299-320.
4. Book Entitled, "Dimension of Leisure for Life, Individuals and Society", ISBN: 9780736082884 published by Human Kinetics.
5. <https://us.humankinetics.com/blogs/excerpt/technology-can-have-positive-and-negative-impact-on-social-interactions>
6. <http://www.useoftechnology.com/technology-society-impact-technology-society/>
7. <http://www.useoftechnology.com/technology-agriculture/>
8. <http://www.justscience.in/articles/social-interactions-harmed-technology/2018/03/15>
9. <https://it.toolbox.com/blogs/ivandimitrijevic/the-impact-of-technology-on-peoples-social-relationships-102517>.
10. <http://www.mospi.gov.in/central-statistics-office-cso-0>
11. <https://web.archive.org/web/20070228102300/http://infrastructure.gov.in/pdf/NHDP.pdf>
12. <https://www.bestcurrentaffairs.com/public-expenditure-healthcare-india/>
13. [http://tourism.gov.in/sites/default/files/Other/ITS\\_Glance\\_2018\\_Eng\\_Version\\_for\\_Mail.pdf](http://tourism.gov.in/sites/default/files/Other/ITS_Glance_2018_Eng_Version_for_Mail.pdf)
14. <http://www.themalaymailonline.com/travel/article/india-projected-to-achieve-highest-growth-in-wellness-tourism-by-2019>
15. <http://www.imtd.in/news/india-a-favored-medical-tourism-huh-dr-al-sayer/>